>

Title : Need to check unrestricted sale of thinner and correction fluid used in typing work being consumed by children as a toxic substance.

श्री अवतार सिंह भडाना (फरीदाबाद): एक एनजीओ चेतना ने विश्व नशा विरोधी दिवस पर यह खुलासा किया है कि सिर्फ दिल्ली में ही सड़क के कामकाजी बच्चों की तादाद 4 लाख से ज्यादा है। इनमें 50 फीसदी बच्चे नशे के तौर पर टाइपिंग में आने वाली व्हाइट फ्लूड की थिनर (टालवीन केमिकल) पीते या सूंघते हैं। इसकी एक शीशी बाजार में 27 रुपए की है और एक बार में आधी शीशी ही इस्तेमाल की जाती है। इससे 10 साल का बच्चा 6 से 8 घंटे नशे में रहता है। इससे इन बच्चों को कैंसर, निमोनिया, दिल-दिमाग की बीमारियां और नाक और गले का इन्फेक्शन हो सकता है। इसका इस्तेमाल इतना बढ़ गया है कि दिनभर में ये बच्चे 27 लाख रुपए का थिनर पी जाते हैं।

अगर सरकार सड़कों पर जीने वाले इन बच्चों की जिदंगी बचाना चाहती है तो मेरा स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध है कि वे इस थिनर की खुले आम बिक्री पर प्रतिबंध लगाये व वह ऐसे बच्चों के पुनर्वास की व्यवस्था करें। इसके साथ ही व्हाइट फ्लूड के पैक में मिलने वाले थिनर को अलग से बेचे जाने की बजाए इस व्हाइट फ्लूड में मिलाकर ही बेचे जाने के लिए निर्देश जारी करें।